Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 12 मई, 2021

सआदत हसन मंटो

11 मई, 2021 को प्रसिद्ध साहित्यकार सआदत हसन मंटो की 109वीं जयंती मनाई गई। सआदत हसन मंटो को सबसे अधिक पढ़ा जाने वाला और उर्दू में सबसे विवादास्पद लघु कथाकार माना जाता है। 11 मई, 1912 को पंजाब के लुधियाना ज़िले के समबरला में एक कश्मीरी परिवार में जन्मे मंटो ने लघु कहानियों के बाईस संग्रह, एक उपन्यास, रेडियो नाटक के पाँच संग्रह और फिल्मों के लिये कई स्क्रिप्ट लिखीं। मंटो ने अपनी कहानियों और रचनाओं के माध्यम से विभाजन और उसके दर्द को लिखा। अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद वर्ष 1935 में मंटो बॉम्बे चले गए और वहाँ उन्होंने साप्ताहिक पत्रिका 'पारस' में काम किया। उनके उपन्यासों और रचनाओं ने साहित्य जगत में उथल-पुथल मचा दिया और इसी कारण उन्हें अश्लील साहित्यकार भी कहा गया। इसी वजह से उन पर कई बार मुकदमे चलाए गए और पाकिस्तान में उन्हें 3 महीने के कारावास और 300 रुपए का जुर्माना भी देना पड़ा। बाद में उन्हें पाकिस्तान के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'निशान-ए-इम्तियाज़' से भी सम्मानित किया गया। 18 जनवरी, 1955 को पाकिस्तान में मंटो का निधन हो गया।

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस

विश्व भर में 12 मई को 'अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस का आयोजन मुख्य रूप से आधुनिक नर्सिंग की जनक 'फ्लोरेंस नाइटिंगेल' (Florence Nightingale) की याद में किया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस समाज के प्रति नर्सों के योगदान को चिह्नित करता है। अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस 2020 की थीम 'नर्स: ए वॉयस टू लीड- ए विज़न फॉर फ्यूचर हेल्थकेयर' है। इस दिवस को सर्वप्रथम वर्ष 1965 में 'इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्स' (ICN) द्वारा मनाया गया था, किंतु जनवरी 1974 से यह दिवस 12 मई को फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती पर मनाया जाने लगा। वे एक ब्रिटिश नागरिक थीं, जिन्हें युद्ध में घायल व बीमार सैनिकों की सेवा के लिये जाना जाता है। फ्लोरेंस नाइटिंगेल ने 1850 के दशक के क्रीमियन युद्ध में दूसरी नर्सों को प्रशिक्षण दिया तथा उनके प्रबंधक के रूप में भी कार्य किया। उन्हें 'लेडी विद द लैंप' कहा जाता है। उनके विचारों तथा सुधारों से आधुनिक स्वास्थ्य प्रणाली काफी प्रभावित हुई है। फ्लोरेंस नाइटिंगेल ने ही सांख्यिकी के माध्यम से यह सिद्ध किया कि किस प्रकार स्वास्थ्य से किसी भी महामारी के प्रभाव को कम किया जा सकता है। संपूर्ण विश्व जब कोरोनावायरस (COVID-19) महामारी का सामना कर रहा है, तो ऐसे में नर्सों की भूमिका काफी महत्त्वपूर्ण हो गई है।

असम में ऑनलाइन बाढ़ रिपोर्टिंग प्रणाली

असम में हाल ही में एक ऑनलाइन बाढ़ रिपोर्टिंग और सूचना प्रबंधन प्रणाली का शुभारंभ किया गया है। असम राज्य आपदा प्रबंधन संस्थान और यूनिसेफ द्वारा संयुक्त रूप से विकसित यह ऑनलाइन प्रणाली मौजूदा असम में बाढ़ नियंत्रण तंत्र का स्थान लेगी। ज्ञात हो कि असम की मौजूदा बाढ़ रिपोर्टिंग प्रणाली में मैनुअल सत्यापन और गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली शामिल हैं, जिसके कारण इसमें काफी समय लगता है, जबकि नई बाढ़ रिपोर्टिंग प्रणाली दैनिक आधार पर बाढ़ रिपोर्टिंग करेगी। वेब-कम-मोबाइल एप्लिकेशन तकनीक से चालित यह नई प्रणाली बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत और पुनर्वास अनुदान प्रदान करने में भी मददगार साबित होगी। साथ ही इससे फसलों और पशुधन के नुकसान की स्थिति की भी जाँच की जा सकेगी। इस प्रकार की प्रणाली राज्य में आपदा जोखिम न्यूनीकरण हस्तक्षेप के प्रभाव को मापने में काफी मददगार साबित होगी।

जोस जे. कट्टूर

हाल ही में जोस जे. कट्टूर को भारतीय रिज़र्व बैंक का कार्यकारी निदेशक (ED) नियुक्त किया गया है। कार्यकारी निदेशक के रूप में पदोन्नत होने से पहले, जोस जे. कट्टूर कर्नाटक के क्षेत्रीय निदेशक के रूप में रिज़र्व बैंक के बंगलूरू क्षेत्रीय कार्यालय प्रमुख के रूप में कार्य कर रहे थे। जोस कट्टूर, बीते लगभग तीन दशकों से भारतीय रिज़र्व बैंक के साथ जुड़े हुए हैं और अपने इस लंबे अनुभव में उन्होंने केंद्रीय बैंक में संचार, मानव संसाधन प्रबंधन, वित्तीय समावेशन, पर्यवेक्षण, मुद्रा प्रबंधन और अन्य क्षेत्रों में काम किया है। कार्यकारी निदेशक के रूप में जोस कट्टूर मानव संसाधन प्रबंधन विभाग, कॉर्पोरेट रणनीति तथा बजट विभाग और राजभाषा विभाग का नेतृत्त्व करेंगे।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-12-may-2021